कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(सहकारिता प्रभाग)

सहकार संवाद

प्रवेशांक दिसम्बर 2021 अंक-01, वर्ष-01 (मासिक)

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री

संदेश

बहुत हर्ष की बात है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) सहकारिता आंदोलन से आम जनों को जोड़ने के लिए मासिक पत्रिका ***'सहकार संवाद'*** का प्रकाशन करने जा रहा है।

उम्मीद है कि पत्रिका के माध्यम से सहकारिता आंदोलन को नई ऊर्जा मिलेगी। आम जनों को सहकारिता के सरोकार से जोड़ा जा सकेगा। ***'सहकार संवाद'*** के माध्यम से विभिन्न योजनाओं, इसके लाभ, अधिनियम, नियम तथा अच्छा कार्य करने वाली सहकारी समितियों से संबंधित जानकारी देने का प्रयास किया जाएगा, वहीं योजनाओं का लाभ लेने की पूरी प्रक्रिया भी बतायी जायगी। निश्चित ही आम लोग इससे लाभान्वित हो सकेंगे और सहकारिता एक आंदोलन का रूप लेगा।

(हेमन्त सोरेन)

कांके रोड, रांची - 834 008 (झारखंड)
दूरभाष : 0651-2280886, 2280996, 2400233 फैक्स : 2280717, 2400232
ई-मेल : chiefminister.jharkhand19@gmail.com

बादल
मंत्री
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
झारखण्ड सरकार, राँची

कार्यालय
नेपाल हाऊस मंत्रालय
डोरण्डा, राँची-834002
दूरभाष : 0651-2490518 (का.)
: 0651-2491392 (फैक्स)
ई-मेल : jhar.agricultureminister@gmail.com

संदेश

कृषि, पशुपालन एवम् सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका **'सहकार संवाद'** एक सराहनीय पहल हैं।

सहकारिता प्रक्षेत्र के तहत किसानों को कृषि कार्य सुगम बनाने हेतु विभाग स्तर पर लैम्पस/पैक्स में गोदाम निर्माण ताकि धान अधिप्राप्ति, उर्वरक, कीटनाशक, बीज भण्डारण में सहूलियत हो, कृषि कार्य हेतु उन्नत यंत्र उपलब्ध कराने के लिए लैम्पस/पैक्स में कृषि उपकरण बैंक स्थापित करना, लैम्पस/पैक्स को कार्यशील पूँजी के रूप में 2–2 लाख रूपये उपलब्ध कराना जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं।

कृषि उत्पाद यथा– फल, फूल, सब्जी भण्डारण एवम् लम्बी अवधि तक उन्हें संरक्षित रखने के लिए सभी जिले में कोल्ड रूम/कोल्ड स्टोरेज स्थापित किया जा रहा है ताकि किसानों के उपज की क्षति न हो एवम् उन्हें उचित मूल्य मिल सके।

आनेवाला समय सहकारिता का है और मेरी इच्छा है कि पूरा झारखण्ड सहकारितामय हो।

शुभकामनाओं सहित।

बादल

अबुबक्कर सिद्दीख पी०, भा०प्र०से०
सचिव
Aboobacker Siddique P., I.A.S.
Secretary

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
झारखण्ड सरकार, राँची
Department of Agriculture,
Animal Husbandry and Co-operative
Govt. of Jharkhand

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (सहकारिता प्रभाग) द्वारा एक मासिक पत्रिका ''सहकार संवाद'' का प्रकाशन प्रारंभ किया जा रहा है।

पत्रिका में सहकारिता विभाग द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी। साथ ही सहकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही सहकारी समितियों की सफलता की कहानी को भी प्रकाशित किया जायेगा।

सहकारिता के विकास की दिशा में यह एक सराहनीय कदम है तथा इससे राज्य की अन्य सहकारी समितियों को भी अच्छे कार्य हेतु प्रेरणा मिलेगी।

मैं पत्रिका की सफलता की कामना करता हूँ।

अबुबक्कर सिद्दीख पी. (भा0प्र0से0)

मृत्युंजय कुमार बरणवाल
भा.प्र.से.

निबंधक
सहयोग समितियाँ
झारखण्ड, राँची

पशुपालन भवन, तृतीय तल
हेसाग, हटिया, राँची – 834003
(झारखण्ड)
दूरभाष : 0651–2290444 (का.)
0651–3510363
email : jharkhand.coopregistrar@gmail.com

निबंधक की कलम से

झारखण्ड राज्य की सभी पंचायतें सहकारिता से आच्छादित हैं, तथा पंचायत स्तर से लेकर प्रखण्ड स्तर तक 2027 लैम्पस, 2374 पैक्स तथा 77 व्यापारमंडल कार्यरत हैं, जो मुख्यतः कृषि एवं इससे संबंधित कार्य यथा– धान अधिप्राप्ति, उर्वरक, कीटनाशक, बीज व्यवसाय आदि का कार्य करते हैं। लैम्पस/पैक्स के अतिरिक्त 757 गृह निर्माण सहयोग समितियां, 173 मत्स्य पालन सहयोग समितियां, 947 श्रमिक सहयोग समितियां, 266 बुनकर सहयोग समितियां, 570 साख सहयोग समितियाँ सहित विभिन्न प्रकार की 10,000 से अधिक सहकारी समितियाँ, गृह निर्माण, मत्स्य पालन, बुनकरी, कुक्कुट पालन जैसे कार्यों में संलग्न हैं। राज्य में फल–सब्जी उत्पादकों हेतु वेजफेड, लघुवनोपज संग्रहणकर्ताओं हेतु झाम्फकोफेड/झास्कोलैम्पफ, मत्स्य पालकों हेतु झास्कोफिश, कुक्कुट पालकों हेतु पॉल्ट्री फेडरेशन जैसे 9 फेडरेशन कार्यरत है तथा अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त कृषि उपज एवं वनोत्पाद का उचित मूल्य दिलाने, बिचौलियों को समाप्त करने के उद्देश्य से जिला एवं राज्य स्तर पर "सिद्धो–कान्हो कृषि एवं वनोपज सहकारी संघ" का गठन किया गया है। विभिन्न कार्यों में संलग्न जनता को सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से इतनी बड़ी संख्या में निर्मित सहकारी समितियों के उपरांत भी सहकारिता के क्षेत्र में आशा के अनुरुप विकास नहीं हो पाया है जबकि राज्य में सहकारिता के क्षेत्र में विकास की पर्याप्त क्षमता एवं संभावना है।

"सहकार संवाद" मासिक पत्रिका के माध्यम से सहकारिता विभाग द्वारा पूर्व से चलायी जा रही प्रमुख योजनाओं/कार्यक्रमों के साथ –साथ भविष्य में प्रारंभ की जाने वाली योजनाओं/कार्यक्रमों की भी जानकारी राज्य के जनप्रतिनिधियों, प्रमुख विभागों, पदाधिकारियों, सहकारी समिति के प्रतिनिधियों, सहकार बंधुओं को उपलब्ध करायी जाएगी जिससे सहकार के क्षेत्र में किये जा रहे /प्रारंभ होने वाले कार्यों एवं कार्यक्रमों की जानकारी आमजन तक पहुंच सके।

राज्य के कई क्षेत्रों में विभिन्न सहकारी समितियों द्वारा कई प्रकार के उल्लेखनीय कार्य किए गये हैं। हमारा उद्देश्य है कि राज्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाली वैसी सहकारी समितियों के कार्यों से "सहकार संवाद" के माध्यम से राज्य के अन्य क्षेत्रों में निबंधित सहकारी समितियों तथा वहाँ के जनप्रतिनिधियों को अवगत कराना। राज्य के सहकार भाईयों एवं जनप्रतिनिधियों तक इन बातों को पहुंचाना कि किस प्रकार से इन समितियों ने कुछ अलग हटकर सोचते हुए सहकारिता को आधार बनाकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर सफलता अर्जित की और अपने एवं अपने सदस्यों के सामाजिक तथा आर्थिक स्तर में वृद्धि की, ताकि उनके कार्यों से प्रेरणा लेकर वे अपने क्षेत्र की सहकारी समितियों में भी उन कार्यक्रमों को प्रारंभ करें।

हमारा लक्ष्य है सभी प्रकार की सहकारी समितियों को एक दूसरे से जोड़ना, एक दूसरे के अच्छे कार्यों से प्रेरणा लेकर आपसी सहयोग की भावना को विकसित करते हुए उन्हें अपनाना और राज्य में सहकारिता को एक नयी दिशा प्रदान करना।

शुभेच्छाओं सहित

मृत्युंजय कुमार बरणवाल (भा.प्र.से.)
निबंधक,
सहयोग समितियाँ, झारखण्ड, राँची।

सहकारिता विभाग की महत्वपूर्ण योजनाएँ

- झारखण्ड राज्य फसल राहत योजना
- शीतगृह का निर्माण
- कोल्ड रूम की स्थापना
- कम्प्यूटरीकरण
- सहकारिता प्रशिक्षण केन्द्र
- कार्यालय–सह–गोदाम निर्माण
- संयुक्त सहकारिता भवन का निर्माण
- सौर उर्जा चलित मिनी कोल्ड रूम का निर्माण
- लैम्पस/पैक्स का सी0 एस0 सी0 के रूप में विकास
- लैम्पस/पैक्सों को कार्यशील पूँजी

झारखण्ड राज्य फसल राहत योजना :- वित्तीय वर्ष 2021–22 में झारखण्ड राज्य फसल राहत योजना हेतु 50 करोड़ रूपये का बजटीय उपबंध किया गया है। जिसमें से राज्य के किसानों को फसलों की प्राकृतिक आपदा से हाने वाली क्षति से भरपाई के लिए मो0 25 करोड़ रूपये से Corpus Fund का गठन किया गया है।

शीतगृह का निर्माण :- कृषि उत्पादों के बेहतर रखरखाव एवं विपणन के उद्देश्य से राज्य के सभी जिलों में 5000 एम0टी0 की क्षमता वाले शीत गृहों का निर्माण किया जा रहा है। अभी 18 जिलों में 5000 एम0टी0 की क्षमता वाले 19 शीत गृह के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

कोल्ड रूम की स्थापना :- फल सब्जी उत्पादक किसानों एवं विक्रेताओं की सुविधा के लिये फल – सब्जी बाजार के पास शीघ्र क्षय होने वाली फल सब्जियों के भंडारण हेतु राज्य के 139 प्रखण्डों में 30 एम0टी0 क्षमता वाले कोल्ड रूम का निर्माण किया जा रहा है।

कोल्ड रूम सिल्ली लैम्पस, राँची

कम्प्यूटरीकरण :- वर्तमान में झारखंड राज्य में डिजिटाईजेशन को बढ़ावा देने हेतु राज्य के सहकारिता विभाग के सभी स्तर के कार्यालयों एवं योग्य लैम्पस एवं पैक्सों को कार्य में सुविधा एवं संचार के आधुनिक साधनों से युक्त करने हेतु 504 कम्प्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर एवं यू0पी0एस उपलब्ध कराये गये हैं।

कार्यालय-सह-गोदाम निर्माण :- वर्तमान में 100 एम0टी0 क्षमता के 697 पंचायतों के लैम्पस/पैक्स में कार्यालय–सह–गोदाम निर्माण किया जा रहा है।

संयुक्त सहकारिता भवन का निर्माण :- झारखंड राज्य में कुल 9 (नौ) जिलों में जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला अंकेक्षण पदाधिकारी, स0स0 एवं सहायक निबंधक, स0स0 के कार्यालय संयुक्त सहकारिता भवन में कार्यरत हैं। इस वित्तीय वर्ष में 11 (ग्यारह) जिलों में संयुक्त सहकारिता भवन के निर्माण की योजना है जिसके लिये भूमि चयन की प्रक्रिया जारी है।

सहकारिता प्रशिक्षण केन्द्र :- खूंटी जिले के फूदी में नवनिर्मित सहकारिता प्रशिक्षण भवन को आधुनिक सुविधाओं से युक्त क्षेत्रीय सहकारिता प्रशिक्षण प्रबंध संस्थान के रुप में विकसित करने एवं उसे संचालन की दिशा में कार्रवाई की जा रही है।

सौर उर्जा चालित मिनी कोल्ड रूम का निर्माण :- वित्तीय वर्ष 2021–22 में पर्यावरण के लिये सुरक्षित पूर्णतः सौर उर्जा से संचालित 5 (पाँच) मे0 टन क्षमता के Eco-friendly 57 मिनी कोल्ड रूम के निर्माण हेतु कार्रवाई की जा रही है।

लैम्पस/पैक्सों को कार्यशील पूँजी :- वर्तमान वित्तीय वर्ष में 500 लैम्पस/पैक्स एवं व्यापारमंडल को प्रति समिति 2.00 लाख रू0 की दर से Revoving Fund के रूप में कुल मो0 1000.00 लाख (दस करोड़) रू0 की कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराई जा रही है। ताकि कृषि इनपुट यथा उर्वरक, बीज, कीटनाशक इत्यादि अपने किसानों को उचित दर पर उपलब्ध करा सके।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के लैम्पस/पैक्स को 2–2 लाख रुपये कार्यशील पूंजी का वितरण

If Cooperatives will be Operatives, it has the potential to change the socio economic conditions of poors in India.

आशालता दिव्यांग विकास सहयोग समिति लि०, बोकारो

असंभव कुछ भी नहीं, अगर मन में दृढ़ इच्छाशक्ति हो और लक्ष्य की ओर बढ़ने का संकल्प हो तो तस्वीर एवं तकदीर दोनो बदल सकते हैं ।

वर्ष 2013–14 में झारखण्ड राँची के मोराबादी मैदान में आयोजित व्यापार मेले में माननीय राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमुत्री के द्वारा आशालता समिति के स्टॉल को "**बेस्ट स्टॉल के पुरस्कार**" से सम्मानित किया गया। सदस्यों के सहयोग एवं पुरस्कारों से प्रेरित होकर समिति द्वारा आशालत्ता साईबर कैफे की स्थापना की गई, जिसमें जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, इनकम टैक्स रिटर्न, ऑनलाईन पेमेन्ट आदि सभी प्रकार का ऑनलाईन कार्य एवम् कम्प्युटर साक्षरता आदि के प्रोग्राम चलाये जा रहे हैं।

झारखण्ड राज्य में इस्पात नगरी के नाम से प्रसिद्ध बोकारो जिला के सेक्टर 5 में 2009 में एक अनूठी पहल करते हुए दिव्यांगजनों को संगठित कर उन्हे रोजगार से जोड़कर स्वावलम्बी बनाने हेतु सहकारिता विभाग द्वारा आशालता विकलांग सहयोग समिति लि० का गठन किया गया। अपने निर्माण के बाद से ही समिति अपने दिव्यांग सदस्यों की दशा और दिशा बदलने में निरंतर कार्य कर रही है तथा वर्तमान में इसमें कुल 52 सदस्य हैं।

समिति के सदस्यों के जज्बे और उनके हौसलों को पंख देने का कार्य किया राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के द्वारा वित्तपोषित समेकित सहकारी विकास परियोजना ने समेकित सहकारी विकास परियोजना, बोकारो के माध्यम से आशालता विकलांग विकास सहयोग समिति को उसकी कार्ययोजनानुसार वित्तीय सहायता प्रदान की गई

वर्ष 2009 में समिति ने सुधा मिल्क बूथ का निर्माण कर उसका सफलतापूर्वक संचालन किया तथा वर्ष 2011 में बिहार सरकार के द्वारा समिति के 'Sudha Best Retail Outlet' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समिति के अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र कुमार एवं सचिव श्री जवाहर गोप के सतत् प्रयास से समिति में आशा लता सुपर मार्केट (उपभोक्ता भंडार) का निर्माण किया गया। आशा लता सुपर मार्केट में उचित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त उपभोक्ता वस्तुओं की बिक्री की जाती है। वर्ष 2013–14 में झारखण्ड राँची के मोराबादी मैदान में आयोजित व्यापार मेले में माननीय राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री के द्वारा आशालता समिति के स्टॉल को "**बेस्ट स्टॉल के पुरस्कार**" से सम्मानित किया गया। सदस्यों के सहयोग एवं पुरस्कारों से प्रेरित होकर समिति द्वारा आशालत्ता साईबर कैफे की स्थापना की गई, जिसमें जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, इनकम टैक्स रिटर्न, ऑनलाईन पेमेन्ट आदि सभी प्रकार का ऑनलाईन कार्य एवम् कम्प्युटर साक्षरता आदि के प्रोग्राम चलाये जा रहे हैं। वर्ष–2020–21 में आशालत्ता समिति के वार्षिक टर्नओवर लगभग 1.00 (एक) करोड़ रुपये रहा है।

समिति में जनतांत्रिक स्वरूप बहाल है, तथा समिति के निर्वाचित पदाधिकारी समिति का संचालन करते रहे हैं। अपने सपनो को सच मे बदलकर समिति से जुड़ दिव्यांगजन स्वावलम्बन की हवा में साँस ले रहे हैं और विकास की नई मंजिल तय करते हुए अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति बेहतर कर रहे हैं।

सहकारिता का मतलब है शेयर एण्ड केयर, बांटना और एक दूसरे का ध्यान रखना।

सहकारिता एक नजर में

03
प्रमंडलीय संयुक्त निबंधक, स0 स0 कार्यालय

01
संयुक्त निबंधक, स0स0 अंकेक्षण, कार्यालय

03
उप मुख्य अंकेक्षक, स0स0 कार्यालय

01
राज्य अनुश्रवण कोषांग, आई0सी0डी0पी0

22
जिला सहकारिता पदाधिकारी कार्यालय

26
सहायक निबंधक, स0 स0 कार्यालय

22
जिला अंकेक्षण पदाधिकारी कार्यालय

09
राज्य स्तरीय शीर्ष सहकारी संस्था

266
बुनकर सहयोग समिति

01
झारखण्ड राज्य सहकारी बैंक लि0

01
केन्द्रीय सहकारी बैंक लि0

02
सहकारिता प्रशिक्षण केन्द्र

2027
लैम्पस

2374
पैक्स

77
व्यापार मंडल

757
गृह निर्माण सहयोग समिति

173
मत्स्य पालन सहयोग समिति

947
श्रमिक सहयोग समिति

3659
अन्य व्यवसायिक सहयोग समिति

570
साख सहयोग समिति

214
महिला विकास सहयोग समिति

467
प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार स0 स0

13
केन्द्रीय सहकारी उपभोक्ता भंडार स0 स0

63
वन श्रमिक सहयोग समिति

52
दुग्ध उत्पादन सहयोग समिति

122
कुक्कुट पालन सहयोग समिति

423
सिंचाई सहयोग समिति

1366
औद्योगिक सहयोग समिति

एक सेमिनार में उपराष्ट्रपति जी ने दो पंक्तियों में सहकारिता की बड़ी सुंदर व्याख्या की थी
"Cooperating with each other and Operating Together"

बुनकरों की पहचान

"दी छोटानागपुर रीजनल हैण्डलूम वीवर्स को–ऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड", इरबा, राँची

दी छोटानागपुर रीजनल हैण्डलूम वीवर्स को–ऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड विभिन्न समुदायों के लगभग 10,000 बुनकर कर्मियों का एक परिवार है, जिसमें झारखण्ड के उत्तरी एवं दक्षिणी छोटानागपुर, पलामू एवं कोल्हान प्रमंडल क्षेत्र की 72 प्राथमिक बुनकर समितियाँ सम्मिलित हैं। छोटानागपुर क्षेत्र के अधिकाधिक पुरूष एवं महिला बुनकरों को सम्बद्ध प्राथमिक बुनकर सहयोग समितियों के माध्यम से सूत के रूप में कच्चा माल उपलब्ध कराते हुए उनके जीविकोपार्जन हेतू रोजगार के अवसर सृजित करना तथा रोजगार प्रदान करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है। ये बुनकर हैण्डलूम के उच्च गुणवत्ता वाले विभिन्न उत्पाद तैयार करते हैं तथा बुनकर यूनियन द्वारा विपणन की विभिन्न प्रणालियों के माध्यम से उनका विक्रय करते हैं।

वर्ष 1946 में दूरदर्शी, आदर्शवादी, समाज सुधारक एवं बुनकरों के मसीहा, स्व. अब्दुर्रज्ज़ाक अंसारी ने तत्कालीन छोटानागपुर क्षेत्र में बुनकर सहकारी समितियों के निर्माण की कल्पना को साकार किया ताकि समाज के पिछड़े एवं सामाजिक सुविधाओं से वंचित बुनकर समुदाय के लोग रोजगार की सुविधा का लाभ उठा सकें। बुनकरों को कच्चा माल उपलब्ध कराना प्राथमिक उद्देश्य था ताकि वे आसानी से अच्छी गुणवत्ता के वस्त्र तैयार कर उन्हें बाजार में विक्रय कर सकें। साथ ही उन्होंने महिला सशक्तिकरण की दृष्टिकोण से ग्रामीण महिलाओं को शिक्षित करने हेतू राँची जिला के ओरमाँझी प्रखण्ड एवं आसपास के इलाके में सत्रह स्कूल खुलवाया। देश में चलाए जा रहे स्वच्छ भारत मिशन की परिकल्पना स्व. अंसारी साहब ने उसी समय की थी, उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय निर्माण का कार्य कराया। स्व. अब्दुर्रज्ज़ाक अंसारी के ही कोशिशों का नतीजा है कि बिहार सरकार द्वारा बिहार राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में 6 रीजनल हैण्डलूम यूनियनों की स्थापना की गई और वर्ष 1978 में दी छोटानागपुर रीजनल हैण्डलूम वीवर्स को–ऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड की स्थापना हुई जिसे बिहार एवं उड़ीसा को–ऑपरेटिव सोसाइटीज अधिनियम 1935 के तहत निबंधित किया गया। उस समय तक दी छोटानागपुर रीजनल हैण्डलूम वीवर्स को–ऑपरेटिव यूनियन के सदस्य के रूप में 21 प्राथमिक को–ऑपरेटिव समितियों का निबंधन हो चुका था। वर्तमान में 72 प्राथमिक को–ऑपरेटिव समितियाँ सदस्य के रूप में निबंधित हैं, जिसमें लगभग 10,000 बुनकर कर्मी कार्यरत हैं। विपणन; मार्केटिंग की विभिन्न रणनीतियों तथा विक्रय के विभिन्न बिक्री केन्द्रों यथा–मोबाइल वैन, खुदरा सामान, निर्यात तथा ऑन लाइन प्लेटफार्म आदि के माध्यम से बढ़ते रोजगार में और अधिक वृद्धि करने का प्रयास अनवरत् जारी है। अब्दुर्रज्ज़ाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स अस्पताल (अपोलो अस्पताल ग्रुप) बुनकर समुदाय द्वारा स्थापित देश का एकमात्र बुनकर अस्पताल है, जिसकी स्थापना एक समर्पित समाजसेवी एवं जनकल्याणकारी आदर्श नेता अब्दुर्रज्ज़ाक अंसारी, जो स्वयम् भी बुनकर समुदाय से संबंधित थे, ने समाज के दलितों, आदिवासियों, बुनकरों एवं निम्न तबके के गरीब लोगों के उत्थान एवं कल्याण के लिए अपनी सोच एवं अभिकल्पना को साकार करने हेतू इस अस्पताल की स्थापना की। दी छोटानागपुर रीजनल हैण्डलूम वीवर्स को–ऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड, जो एक शीर्ष संस्था है और हैण्डलूम के उत्पादों का निर्माण एवं विपणन का कार्य कर रही है, का इस अस्पताल की स्थापना में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके लगभग 10 हजार साहसी बुनकर कर्मियों ने स्वेच्छापूर्वक अपनी आम सहमति से इस अस्पताल के निर्माण में सराहनीय योगदान दिया। वर्ष 1996 में इस अस्पताल का निर्माण कर पूरा कर दिखाया। इस अस्पताल का मुख्य उद्देश्य समाज के दलित, आदिवासी, बुनकर, अल्पसंख्यक, कमजोर एंव सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को उच्च स्तरीय चिकित्सा–सेवा प्रदान करना। इस अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सीय उपकरणों द्वारा देश के विभिन्न राज्यों के आम जनता तथा विशेष रूप से बुनकरों के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की जाती है। इसका सुखद परिणाम यह हुआ कि अब गरीब बुनकर तथा जरूरतमन्द लोगों को चिकित्सीय उपचार के लिए देश के अन्य शहरों के अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। यह अत्यंत ही गौरव की बात है कि इस अस्पताल द्वारा बुनकर समुदाय के परिवार के सदस्यों के इलाज हेतू उन्हें रियायती एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की जा रही है। इस अस्पताल के प्रबंधन कार्य की देख–रेख एवं संचालन का कार्य 20 वर्षों के लिए अपोलो चिकित्सा ग्रुप द्वारा किया गया था। उक्त ग्रुप के कार्यकाल की समाप्ति के पश्चात वर्तमान में इस अस्पताल के प्रबंधन का कार्य देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा ग्रुप–'मेदान्ता ग्रुप' द्वारा किया जा रहा है, जो जनकल्याण एवं सेवा भावना से जुड़कर अपनी विशेषज्ञतापूर्ण चिकित्सीय सेवाओं, अत्याधुनिक चिकित्सीय उपकरणों, उच्च तकनीक तथा विकसित प्रणालियों द्वारा अपनी विशेषज्ञ चिकित्सीय टीम के साथ लोगों को उत्कृष्ट चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करते हुए इस "उत्कृष्ट चिकित्सा केन्द्र" का दर्जा प्रदान करने की दिशा में सतत् प्रयत्नशील है।

Louis Toppo
Chief Executive Officer

A UNIT OF
THE CHOTANAGPUR REGIONAL HANDLOOM WEAVERS COOPERATIVE UNION LTD.

Irba, Ranchi - 835219
Jharkhand, India

chotanagpurhandloom@gmail.com
www.chotanagpurhandloom.org
Call: 0651 2276 333

The members of **The Chotatanagpur Regional Handloom Weaver's Co-operative Union Ltd.** feel proud that the Society at this date is free from Loan, Grant or Share capital from the Government and is a self sufficient Co-operative institution.

Anwar Ahmad Ansari
Chairman

CHOTANAGPUR
HANDLOOM & HANDICRAFT

Unique Sales Initiative

A unique sales initiative has been implemented by the Chotonagpur Handloom where handloom products are sold through mobile vans throughout the city as well as remote villages. There are total **8 mobile vans** operating throughout the day. This has been a successful operation in terms of marketing and sales. This has hugely benefitted the artisans in selling their products on a regular basis.

100% Handloom Cotton Products

Deal in Bedsheet, Towel, Gamcha, Kurta / Pajama fabric, Tweel Chader, Lungi and other's cotton febrics.

Handloom

The Chotanagpur Regional Handloom Weaver's Co-operative Union Ltd. 'The pioneer in service to humanity through the co-operative movement.'

The year 1946 will always be remembered for a revolutionary work done by a young man named **Abdur Razzaque Ansari** who had already worked a lot in education and thought to do something for the most backward and weakest section of the society that was weavers and tribals for their livelihood.

By the time most of the co-operative societies were working well. It was felt by Ansari that it was required to avoid regular visit to Patna for all petty requirements of the weavers as all the weavers' societies were affiliated with the only Apex body, the Bihar State Handloom weavers' cooperative union Ltd. He had proposed to the then government of Bihar to split the apex body into five zones which was after due deliberations approved by the then government of Bihar.

The formation of the Chotangpur Regional Handloom Weavers' co-operative Union Ltd was established. The union has membership strength of approx **10,000 weavers** comprising from various communities under the banner of **72 Primary Weavers Societies** from Chotanagpur region, Jharkhand.

RANCHI STORE
Ground Floor, A.C. Market,
G.E.L. Church Shopping Complex, Ranchi, Jharkhand.

BOKARO STORE
First Floor, Harshwardhan Plaza,
City Centre, Sector IV, Bokaro Steel City, Jharkhand.

KOLKATA STORE
Ground Floor, Jashoda Bhavan ,
Gariahat more, Kolkata, West Bengal.

प्रधान सम्पादक : श्री मृत्युंजय कुमार बरणवाल, निबंधक, स0 स0 **सम्पादक** : श्री जय प्रकाश शर्मा, उप निबंधक, स0 स0
सम्पादकीय सहयोग : श्री राकेश कुमार सिंह, स0 नि0, श्री कुमोद कुमार, स0 नि0, श्री अरविन्द कुमार सिन्हा, स0 प्र0 पदा0
श्री मृत्युंजय कुमार बरणवाल, निबंधक, सहयोग समितियाँ, झारखण्ड, राँची द्वारा प्रकाशित एवं अन्नपूर्णा प्रेस एण्ड प्रोसेस, राँची के द्वारा मुद्रित (निजी वितरण के लिए)